1.1.18

पत्रावली पेश हुई | वादी अनु०
प्रतिवादी उप० | क्योंकि दो
बार मौका देने पर भी न तो
वादी न ही उनके अधि० उप०
है इसलिए वाद को अधम
पैरवी अधम तामीली
खारिज किया जाता है।